



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञापित PRESS RELEASE

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जन प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण के प्रयास जरूरी है: लोक सभा अध्यक्ष

कैंप, ओटावा (कनाडा), 10 जनवरी, 2020 : लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने ओटावा में राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठसीन अधिकारियों के 25वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) में 'समावेशी संसद : संसद की बदलती भूमिका और आवश्यकताओं के अनुरूप पद्धतियों और प्रक्रियाओं के विकास में सहायक के रूप में अध्यक्ष की भूमिका' विषय पर आयोजित विशेष पूर्ण सत्र में राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठसीन अधिकारियों को संबोधित किया। श्री बिरला ने आगे उल्लेख किया कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जन प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण के प्रयास जरूरी है। इस दिशा में सभा के समक्ष लाए गए विधायी मुद्दों के बारे में सदस्यों की जागरूकता को बढ़ावा देने और इस प्रकार सार्थक चर्चा और वाद - विवाद सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हाल ही में सभा के समक्ष आने वाले महत्वपूर्ण विधायी कार्यों के बारे में संक्षिप्त जानकारी देने की परंपरा शुरू की गई है।

श्री बिरला ने यह उल्लेख किया कि किसी देश का भविष्य उसकी संसद द्वारा ही तय होता है। उन्होंने आगे कहा कि संसदें बदलती वैश्विक प्रणाली के साथ तालमेल बिठाते हुए और साथ ही इसकी अमूल्य परंपराएं अक्षुण्ण रखा जाना सुनिश्चित करते हुए देशों के बेहतर भविष्य के लिए नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। श्री बिरला ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष और पीठसीन अधिकारी लोकतंत्र

एवं सहभागी शासन के संरक्षक होते हैं तथा लोगों की समान भागीदारी तथा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना बहुत हद तक उनके निर्णयों पर निर्भर करता है।

श्री बिरला ने कहा कि भारत में विगत वर्षों में कई माननीय अध्यक्षों ने ऐसे कई नियम, विनियम और निदेश दिए हैं जिन्होंने हमारी संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सभा का अध्यक्ष, नियमों और विनियमों की न केवल सही व्याख्या करता है और उनका समुचित कार्यान्वयन कराता है बल्कि अपनी दूरदर्शी सलाह, निपुणता, समझदारी और सबको साथ लेकर चलने के कौशल से यह सुनिश्चित भी करता है कि सभा के सभी वर्गों की बात खुले मन से सुनी जाए।

श्री बिरला ने यह भी बताया कि उन्होंने वर्तमान सत्रहवीं लोक सभा के दौरान मौजूदा प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों में कुछ बदलाव लाने का प्रयास किया है। अब तक आयोजित दो सत्रों के दौरान अधिकाधिक सदस्यों को सभा की कार्यवाही में भाग लेने का अवसर दिया गया है और इस प्रकार अनेक युवा सदस्य और लोक सभा में केवल एक सदस्य वाले राजनीतिक दल इससे लाभान्वित हुए हैं। साथ ही, सदस्यों द्वारा सभा में अविलंबनीय लोक महत्व के 2000 से भी अधिक मामले उठाए जा चुके हैं।

सम्मेलन के समापन के पश्चात्, श्री बिरला ने कनाडा की संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष महामहिम श्री एंथनी रोट्टा के साथ बैठक की और उन्हें राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 25वें सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी के लिए बधाई दी। दोनों अध्यक्षों ने बढ़ते हुए भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों और परस्पर व्यापार तथा निवेश के विस्तार की संभाव्यताओं को स्वीकार किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग और कनाडा के संस्थानों में भारत के छात्रों की बढ़ती संख्या पर संतोष व्यक्त किया। दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ाने में संसदीय संबंधों द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका को रेखांकित करते हुए दोनों अध्यक्षों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि दोनों की संसद में सांसदों के अंतर-

संसदीय मंत्री समूहों को जल्द से जल्द गठित किया जाना चाहिए। श्री बिरला ने आगे कहा कि भारतीय और कैनेडियाई सांसदों के बीच बातचीत से दोनों देशों के बीच आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को प्रगाढ़ करने में मदद मिलेगी।

“CAPACITY-BUILDING OF LAWMAKERS IS NECESSARY FOR STRENGTHENING DEMOCRACY”: LOK SABHA SPEAKER

Camp, Ottawa (Canada), 10 January 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the Speakers and Presiding Officers of Parliaments of Commonwealth countries at the Special Plenary Session on the theme ‘Inclusive Parliaments: The Role of the Speaker in Supporting Emerging Procedures and Practices Embracing the Changing Face and Needs of Parliament’ at the 25th Conference of Speakers and Presiding Officers of the Commonwealth (CSPOC) at Ottawa. Shri Birla further observed that capacity-building of lawmakers is necessary for strengthening democracy. In this direction, he has recently initiated a practice of holding briefing sessions on important legislative business before the House to improve the awareness of Members on such issues, thereby facilitating good debate and discussion in the House.

Observing that the future of a country has been rightly said to be determined by its Parliament, Shri Birla said that Parliaments play an important role in making policies for the better future of countries, by keeping pace with the changing world order while at the same time ensuring that its invaluable traditions remain intact. Shri Birla further said that in a parliamentary democracy, the Speakers and Presiding Officers are the custodians of democracy and participative governance and their decisions have a lot of bearing in ensuring equal participation and representation of people.

Shri Birla stated that over the years in India, many Hon’ble Speakers had laid down rules, regulations and directions that have significantly contributed to the growth of our parliamentary procedures and practices. The Speaker of the House not only enforces the correct interpretation and proper application of the rules and regulations but by his sage counsel, tact and persuasive skills

also ensures that voices of all sections of the House are heard with an open mind.

Shri Birla also informed that he has made efforts to bring in certain changes in the existing rules of procedure and conduct of business during the current 17th Lok Sabha. In the two sessions held so far, maximum number of Members were provided the opportunity to participate in the business of the House and many young Members and political parties having only one Member have thereby benefitted. At the same time, more than 2000 matters of urgent public importance were raised in the House by the Members.

After the conclusion of the Conference, Shri Birla held a meeting with HE Mr Anthony Rota, Speaker of the House of Commons of Canadian Parliament and congratulated him for successfully hosting the 25th CSPOC. The two leaders acknowledged the growing India-Canada bilateral ties and the potential for further expanding mutual trade and investments. They noted with satisfaction the increasing cooperation in the education sector and the growing number of students from India in Canadian institutions. Underlining the important role that parliamentary relations can play in enhancing the friendly relations between the two countries, they agreed that inter-parliamentary friendship groups of MPs in both the Parliaments should be constituted at the earliest. Shri Birla further said that interactions between Indian and Canadian Parliamentarians would help to deepen the economic and political relations between the two countries.